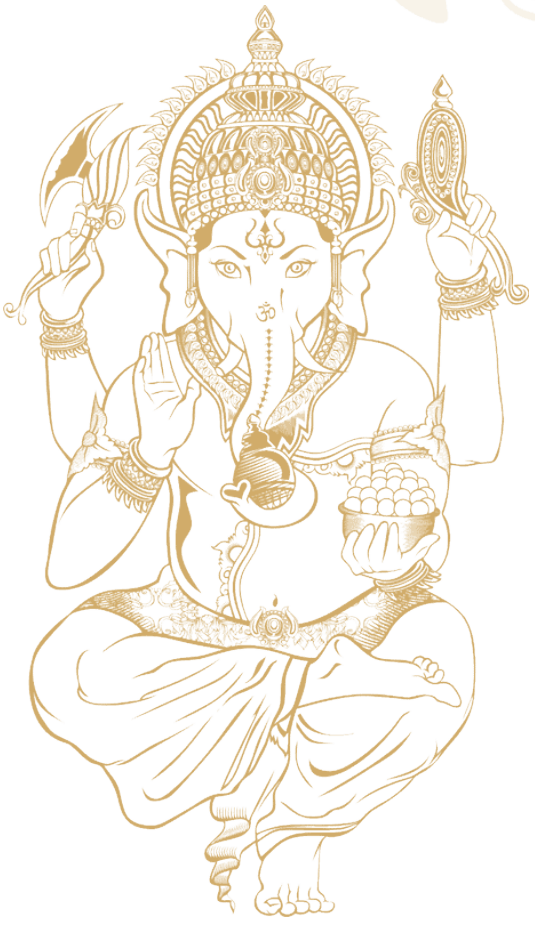

Mr.T.dewan

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121017402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/01/1994	जन्म तिथि	14/03/1997
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 07:22:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 00:28:00	जन्म समय(घटी)	38:01:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Panipat
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:10:48	सूर्योदय	06:33:36
17:58:17	सूर्यास्त	18:29:35
23:46:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 10वर्ष 8मा 1दि		18:20:32	मक	लग्न	तुला	13:30:55	चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि	
मंगल		16:09:46	मक	सूर्य	मीन	00:18:34	राहु	
01/10/2020		19:33:09	सिंह	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2010	
02/10/2027		07:42:17	मक	मंगल व	कन्या	03:59:09	15/09/2028	
मंगल	28/02/2021	02:51:42	कुंभ	बुध	मीन	03:12:44	राहु	28/05/2013
राहु	18/03/2022	19:32:58	तुला	गुरु	मक	17:52:22	गुरु	22/10/2015
गुरु	22/02/2023	19:16:34	मक	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि	28/08/2018
शनि	02/04/2024	06:20:52	कुंभ	शनि	मीन	14:24:21	बुध	16/03/2021
बुध	30/03/2025	06:28:46	वृश्चि व	राहु	कन्या	04:56:01	केतु	04/04/2022
केतु	26/08/2025	06:28:46	वृष व	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र	04/04/2025
शुक्र	26/10/2026	29:30:39	धनु	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य	26/02/2026
सूर्य	03/03/2027	27:46:26	धनु	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र	28/08/2027
चन्द्र	02/10/2027	04:01:22	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल	15/09/2028

लग्न-चलित

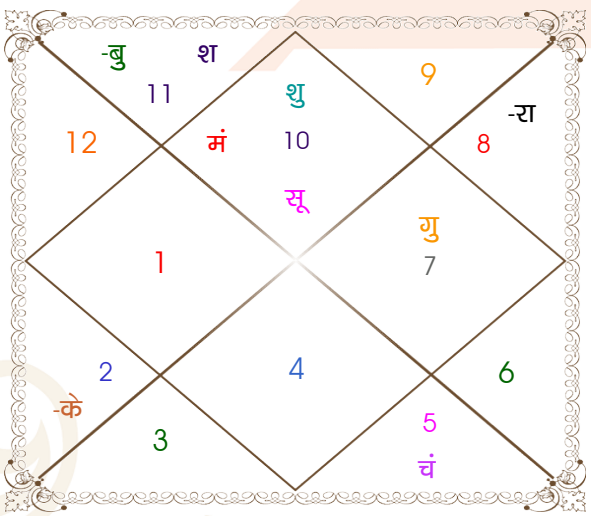

लग्न-चलित

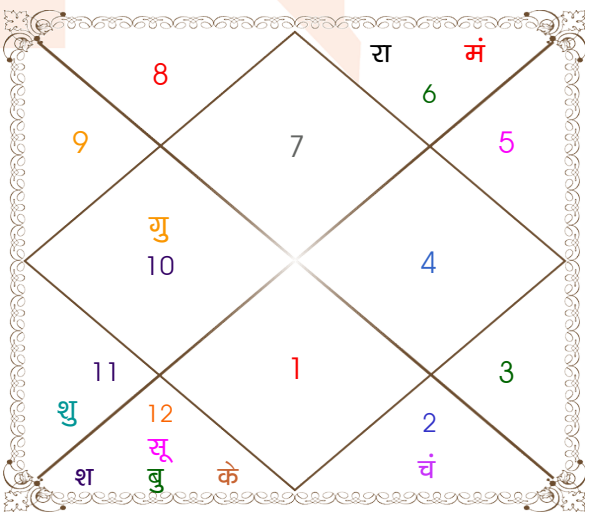

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

Mr.T.dewan का वर्ग श्वान है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.T.dewan और Ms.nirali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.T.dewan मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Mr.T.dewan कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.T.dewan कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.T.dewan कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.T.dewan तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।